<u>आवेदन पत्र</u>

सेवा में,

श्रीमान पटवारी महोदय
पटवार मण्डल . . . . . .
तहसील . . . . जिला . . . .

विषयः— विरासत का नामान्तकरण दर्ज करवाने बाबत।

महोदय,

उपरोक्त विषयांतर्गत निवेदन है कि मेरे . . . . .के नाम पटवार मण्डल . . . . के राजस्व ग्राम . . . . में वर्तमान जमाबंदी के खाता संख्या . . . . में कृषि भूमि दर्ज रिकॉर्ड है। मेरे . . . . . की दिनांक . . . . .को मृत्यु हो चुकी है। मृतक के वारिसान निम्न प्रकार हैः—

इनके अतिरिक्त मृतक के अन्य कोई वारिस नहीं है।

अतः श्रीमान जी से निवेदन है कि उक्त वारिसान के नाम विरासत का नामान्तकरण दर्ज करने की कृपा करें।

प्रार्थी

नामः—

मो.नं.—

विरासत का नामान्तरण खोलने हेतु प्रार्थना पत्र

सेवा में,

श्रीमान तहसीलदार महोदय,

तहसील व जिला टोंक (राज.)

विषयः- विरासत का नामान्तरण दर्ज करवाने बाबत

महोदय,

निवेदन है कि मैं (प्रार्थी). . . . . पुत्र /पत्नी श्री . . . . .जाति . . . . . ग्राम. . . . . का निवासी हूँ। मेरे . . . . का स्वर्गवास दिनांक. . . . . को हो चूका है। मेरे . . . . के नाम मौजा . . . . पटवार मण्डल . . . . के खाता संख्या . . . . में खातेदारी भूमि दर्ज है। जिनके हम वारिसान निम्न सजरा अनुसार हैं-

उपरोक्त के अतिरिक्त अन्य कोई विधिक वारिस अथवा गोद गया हुआ नहीं है |अतः उक्त वर्णित हम वारिसान के नाम नामान्तरण दर्ज करने की कृपा करें।

दिनांक:-

हस्ताक्षर प्रार्थी

नामः-

मो.न.-

शपथ पत्र

मैं/हम प्रार्थी .... पुत्र/पुत्री श्री ....
जाति............................ निवासी........................ शपथपूर्वक बयान करता हूँ की मेरे पिता/माता जिनका स्वर्गवास दिनांक .... को हो चूका है, उनके हम विधिक वारिसान निम्नानुसार हैं-

दिनांक हस्ताक्षर शपथकर्ता

सत्यापन

मैं/हम शपथकर्ता .... पुत्र / पुत्री श्री ....
जाति.................... निवासी .... शपथपूर्वक घोषणा करता हूँ कि मेरे/हमारे द्वारा वारिसान के सम्बन्ध में जो विवरण मेरे द्वारा अंकित किया गया है , वह सही एवं सत्य है| वारिसान के सम्बन्ध में अन्य कोई तथ्य सामने आया तो उसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी मुझ/हम शपथकर्ता की होगी |

दिनांक हस्ताक्षर शपथकर्ता

उत्तरदायीत्व का शपथ पत्र

हम अधोहस्ताक्षरकर्ता शपथ पूर्वक तस्दीक करते हैं की हम प्रार्थी/ प्रार्थिगण........................ पुत्र/पुत्री श्री .... को भलीभांति पहचानते हैं | प्रार्थी/ प्रार्थिगण के पिता/माता का स्वर्गवास हो चूका है| प्रार्थी ने वारिसान सम्बन्धी जो विवरण इस प्रार्थना पत्र में अंकित किया है वह पूर्णतया सत्य है| उक्त के अतिरिक्त अन्य कोई वारिस नहीं है|

हस्ताक्षर उत्तरदायी	हस्ताक्षर उत्तरदायी
नाम	नाम
मो.न.	मो.न.

<u>वारिस सजरा</u>

हम निम्न हस्ताक्षरकर्ता प्रमाणित करते हैं कि फौत खातेदार श्री .... पुत्र/पत्नी श्री .... के विधिक वरिसानों का सजरा निम्नानुसार है-

हस्ताक्षर वार्डपंच

हस्ताक्षर सरपंच

मौका पर्चा वारिसांन जांच ग्राम . . . .

आज दिनांक . . . . को मुताबिक आवेदन/आदेश . . . . से ग्राम . . . . के मृतक खातेदार . . . . के वारिसान की जांच करने हेतु . . . . पहुंचा।

उपस्थित ग्राम वासियान् से पूछताछ करने पर ग्राम वासियान् ने बताया कि मृतक के . . . . पुत्र, ... पुत्रियां एवं पत्नि . . . . है इसके अतिरिक्त उक्त मृतक के अन्य कोई वारिस नहीं है। ग्रामवासियांन् के बताए अनुसार मृतक का वारिसान सजरा निम्नानुसार हैः–

प्रार्थना पत्र में अंकित अराजियात की जमाबंदी अवलोकन मौके पर ग्रामवासियांन् के साथ किया ग्रामवासियांन् नें ग्राम . . . . हाल खाता न. . . . . में अंकित खातेदार. . .. . उक्त मृतक को ही होना बताया। एवं बताया कि उक्त अराजियात में किसी प्रकार का कोई विवाद या किसी न्यायालय का कोई स्थगन नहीं है।

उपस्थित ग्रामवासियांन/वारिसान् को अवगत करवाया कि उक्त बताए गए तथ्यों में यदि किसी प्रकार का झूठ पाया जाता है तो उसकी समस्त जिम्मेदारी निम्न हस्ताक्षरकर्ता वारिसांन व गवाहान् की होगी।

पर्चा मौका तैयार कर पढ़ कर सुनाया गया तथा उपस्थित ग्रामवासियों के हस्ताक्षर/ निशानात् लिए गए।

<u>मौका पर्चा वारिसांन जांच ग्राम . . . .</u>

आज दिनांक . . . . को मुताबिक आवेदन/आदेश . . . . से ग्राम . . . . के मृतक खातेदार . . . . के वारिसान की जांच करने हेतु . . . . पहुंचा।

उपस्थित ग्राम वासियान् से पूछताछ करने पर ग्राम वासियान् ने बताया कि मृतक के . . . . पुत्र, ... पुत्रियां एवं पत्नि . . . . है इसके अतिरिक्त उक्त मृतक के अन्य कोई वारिस नहीं है। ग्रामवासियांन् के बताए अनुसार मृतक का वारिसान सजरा निम्नानुसार हैः–

उपस्थित ग्रामवासियांन/वारिसान् को अवगत करवाया कि उक्त बताए गए तथ्यों में यदि किसी प्रकार का झूठ पाया जाता है तो उसकी समस्त जिम्मेदारी निम्न हस्ताक्षरकर्ता वारिसांन व गवाहान् की होगी।

पर्चा मौका तैयार कर पढ़ कर सुनाया गया तथा उपस्थित ग्रामवासियों के हस्ताक्षर/ निशानात् लिए गए।